16 जनवरी, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में पुस्तक प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला समाप्त होने में केवल एक दिन शेष है। आज पुस्तक मेले का दृश्य देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पुस्तक प्रेमी बचे हुए इन दो दिनों का भरपूर लाभ उठा लेना चाहते हों। किसी भी हॉल में, किसी भी स्टॉल पर देखिए, पुस्तक प्रेमी ही नज़र आ रहे थे। बच्चों और उनके अभिभावकों को पूरे उत्साह के साथ अपनी पसंद की पुस्तकें देखते, पलटते और खरीदते देखकर अपार हर्ष की अनुभूति हो रही थी। आज मेले में एक लाख से अधिक पुस्तक प्रेमी मेला देखने प्रगति मैदान में आए।

आज मेले में दिन भर अनेक साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन हुआ।

बाल मंडप पर साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित बच्चों की तीन पुस्तकों का लोकार्पण हुआ जिनमें शामिल हैं– कन्नड़ पुस्तक, *पापू वपू बने महात्मा* का हिंदी अनुवाद; हरिकृष्ण देवसरे द्वारा संपादित पुस्तक, *प्रतिनिधि बाल नाटक* तथा प्रकाश मनु द्वारा लिखित *खज़ाने वाली चिड़िया*। इस अवसर पर श्री शांतनु तामुली, श्री प्रकाश मनु, सुश्री संगीता सेठी तथा श्री कुमार अनुपम भी उपस्थित थे। इसके पश्चात बच्चों की लेखिका सुश्री संगीता सेठी ने बच्चों के साथ बातचीत की और उन्हें आदिवासियों तथा उनसे जुड़ी परंपराओं की कहानी सुनाई। यहाँ श्री शांतनु तामुली की पुस्तक *राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार प्राप्त बच्चों की साहसिक कहानियाँ* पर आधारित पठन–सत्र भी आयोजित किया गया। इस मंडप पर प्रथम बुक्स की सुश्री पूनम द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी तथा बौद्ध मठों पर कहानी भी सुनाई गई।

लाल चौक पर आगा खाँ फाउंडेशन द्वारा 'दास्तानगोई' कथावाचन सत्र का आयोजन किया गया। दास्तानगोई उर्दू भाषा में कथावाचन का एक अनोखा तरीका है जिसमें दो कथावाचक वाद्य–यंत्रों की सहायता से लय एवं ताल में कहानी सुनाते हैं।

ऑथर्स कॉर्नर, रिफ्लेक्शंस पर मनोरमा ज़फा द्वारा लिखित तथा दर्शन सिंह आशट द्वारा अनूदित पुस्तक *मेहरू सोणा* के पंजाबी अनुवाद का लोकार्पण हुआ। यह पुस्तक अँग्रेज़ी व हिंदी भाषाओं में भी प्रकाशित हो चुकी है।

आज ऑथर्स कॉर्नर, कन्वरसेशंस पर नीतू भट्टाचार्य द्वारा लिखित तथा एनबीटी द्वारा प्रकाशित पुस्तक *रिसरेक्शन ए वूमन रीबॉर्न* का लोकार्पण हुआ। यह पुस्तक अँग्रेज़ी कविताओं का संकलन है। इस अवसर पर माननीय संसद सदस्या, सुश्री मीनाक्षी लेखी; एनबीटी की निदेशक, डॉ. रीता चौधरी तथा पूर्व आईपीएस. श्री के. विजय कुमार उपस्थित थे। सुश्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि पुस्तक महिलाओं के जीवन तथा उनके संघर्ष को अभिव्यक्त करती है।

आज थीम मंडप पर छत्तीसगढ़ की पंडवाणी लोकगाथा ने मेले में आने वालों को आकर्षित किया। पंडवाणी लोकगाथा पांडवों की कहानी को दर्शाती है। यहाँ चंद्रकांता एवं उनके समूह द्वारा लोकगाथा प्रस्तुति की गई। इसके पश्चात कौशल उपाध्याय एवं उनके समूह द्वारा गुजराती पारंपरिक लोक नृत्य, गरबा का प्रदर्शन भी हुआ।

आज मेले में अनेक पुस्तकों का लोकार्पण हुआ जिनमें शामिल हैं—पंकज के. सिंह द्वारा लिखित *स्वच्छ भारत समृद्ध भारत;* रिया शर्मा की *अनजान राहें;* और पियरे अलैन बोद द्वारा लिखी *नुसरत : द वॉयस ऑफ फेथ;* गिरीश पंकज की *श्रीमान जोड़ तोड़क;* गीता पंडित की *दहलीज़ के भीतर बाहर* तथा देवेंद्र द्वारा लिखित *अहिल्या* आदि।

हॉल सं. 18 में ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया द्वारा साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें शामिल हैं—भारतीय सांस्कृति धरोहर पर आधारित पैनल चर्चा तथा कवि सम्मेलन। इस कार्यक्रम में डॉ. मदन मोहन गोयल, डॉ. वागेश्वर झा, सरोजिनी प्रीतम आदि ने भाग लिया। हॉल सं. 12 में शलभ प्रकाशन द्वारा *गीत नवगीत गज़ल* पर आधारित चर्चा का आयोजन भी हुआ।